





# रेवाड़ी पुलिस ने वाहन चालकों को किया यातायात के प्रति जागरूक

सिटी 24 न्यूज़/निकिता

माधोगड़िया

रेवाड़ी। लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूकता अभियान चलाएं जा रहे हैं। जिसके तहत मंगलवार को यातायात पुलिस द्वारा कापड़ीवास ट्रूनियन व नीनुर चौक पर यातायात नियमों वारे जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों व आमजन को यातायात नियमों की पालना करने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने, रॉन साईड ड्राइविंग न करने, वाहन चलने से योगदान फोन का इस्तेमाल न करने, नशीले पदार्थ और बीड़ी, सिंगरेक का प्रयोग न करने के साथ ही नाबालिंग बच्चों को टू और फोर व्हीलर गाड़ी न चलाने वारे जागरूक किया गया।



इस जागरूकता अभियान के दौरान रेवाड़ी यातायात पुलिस द्वारा सभी मौजूद चालकों को नशा मुक्ति व खेलों में भागीदारी वारे भी जागरूक किया गया। रेवाड़ी यातायात पुलिस द्वारा इस प्रकार के जागरूकता अभियान चलाकर सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। यातायात शान प्रभारी निरीक्षक जगदीश चन्द ने कहा कि अधिकांश सड़क हादसों से बचने के लिए मार्ग पर चलाते समय यातायात नियमों का सही से पालन करने पर विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

आदि पर कंट्रोल रखें। साथ सीट बेल्ट का उपयोग करें।

उद्दोंने कहा कि सड़क हादसों से बचने के लिए मार्ग पर चलाते समय यातायात नियमों का सही से पालन करने पर विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

# मुख्यमंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद करने पहुंचे प्रदेश उपाध्यक्ष विपुल गोयल

हरियाणा भवन में की मुलाकात



सिटी 24 न्यूज़

फरीदाबाद। बीजेपी के प्रदेश

उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर

विपुल गोयल ने बुधवार को मुख्यमंत्री

मोहर लाल को अपनी नई जिम्मेदारी के संदर्भ में धन्यवाद दिया। विपुल

गोयल ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के समर्थन और सहयोग के लिए भी धन्यवाद करते हुए कहा की वो इस नई जिम्मेदारी और भारत से के लिये सभी शोषण नेतृत्व का धन्यवाद करते हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष विपुल गोयल को मुख्यमंत्री विपुल गोयल का विशेष तौर पर आभार व्यक्त किया और कहा की वह हादसे हो रहे हैं। नियमों की वजह से यह हादसे हो रहे हैं। मोटर वाहन अधिनियम के तहत भारी वाहनों के लिए हाईवे पर चलने के लिए वाई लेने नियरिति की गई है। इसपीढ़ी पक्ष सहारन ने सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने वालों के सुचारू रूप से आवागमन के लिए मोटर

जिला पुलिस द्वारा ट्रैफिक नियमों की उल्लंघन करने वाले वाले ऐसे वाहन चालकों के चालान किए जा रहे हैं।

वाहन चालकों द्वारा नियमों को न मानने की वजह से यह हादसे हो रहे हैं। मोटर वाहन अधिनियम के तहत भारी वाहनों के लिए हाईवे पर चलने के लिए वाई लेने नियरिति की गई है। इसपीढ़ी पक्ष सहारन ने सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने वालों के सुचारू रूप से आवागमन के लिए मोटर

# गरीबों व वर्चितों के विकास को लेकर सरकार प्रयत्नशील : डा. बनवारी लाल



जनस्वास्थ्य मंत्री डा. बनवारी लाल ने गांव सुठानी, गोलियाका व पाली में ग्रामीणों से किया संवाद।

से काम कर रही है। लागू की गई सभी योजनाओं को ग्रामीणों तक पहुंचाना सरकार अपना कर्तव्य समझता है।

सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने बाबल शहर के वार्ड 9 के वार्ड वासियों की लिंगिंग पांग को पूरा करते हुए जोहड़ के जीवोंदार कार्य का शिलान्यास किया। इसके कार्य के पूर्ण होने पर आस-पास के लोगों को काढ़ी लाभ होगा, साथ ही साथ शहर के अंतर्वेदन व गणराज्य वित्तीय हैं। सरकार का मानना है कि सरकार प्रधानमंत्री योजनाओं व सेवाओं पर धूल लाहरात तक उपर्युक्त लोगों से संधार संवाद कर रहे थे। उद्दोंने कहा कि वर्तमान सरकार सहत भाव से नहीं सेवा भाव

से लिंगिंग के लिए निरंतर प्रयत्नशील है।

गरीब लोगों के हक के लिए न केवल संघर्षरत है बल्कि सरकार ने ऐसी योजनाएं लागू की हैं जो पूरी तरह से अंतर्वेदन व गणराज्य वित्तीय हैं। सरकार का मानना है कि सरकार प्रधानमंत्री योजनाओं व सेवाओं पर धूल लाहरात तक उपर्युक्त लोगों से संधार संवाद कर रहे थे। उद्दोंने कहा कि वर्तमान सरकार सहत भाव से नहीं सेवा भाव

से लिंगिंग के लिए निरंतर प्रयत्नशील है।

सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने बाबल शहर के वार्ड 9 के वार्ड वासियों की लिंगिंग पांग को पूरा करते हुए जोहड़ के जीवोंदार कार्य का शिलान्यास किया। इसके कार्य के पूर्ण होने पर आस-पास के लोगों को काढ़ी लाभ होगा, साथ ही साथ शहर के अंतर्वेदन व गणराज्य वित्तीय हैं। सरकार का मानना है कि सरकार प्रधानमंत्री योजनाओं व सेवाओं पर धूल लाहरात तक उपर्युक्त लोगों से संधार संवाद कर रहे थे। उद्दोंने कहा कि वर्तमान सरकार सहत भाव से नहीं सेवा भाव

से लिंगिंग के लिए निरंतर प्रयत्नशील है।

गरीब लोगों के हक के लिए न केवल संघर्षरत है बल्कि सरकार ने ऐसी योजनाएं लागू की हैं जो पूरी तरह से अंतर्वेदन व गणराज्य वित्तीय हैं। सरकार का मानना है कि सरकार प्रधानमंत्री योजनाओं व सेवाओं पर धूल लाहरात तक उपर्युक्त लोगों से संधार संवाद कर रहे थे। उद्दोंने कहा कि वर्तमान सरकार सहत भाव से नहीं सेवा भाव

से लिंगिंग के लिए निरंतर प्रयत्नशील है।

ही निपटारा कर दिया गया। इसमें बल्लभारद नियामी शास्त्रादेवी के 66 गज के प्लाट पर कब्जे का मामला भी था। महिला का कहना था कि उसने पूरे पैसे देकर रजिस्ट्री व इंतकाल करवाया था, लेकिन उसके मकान पर कब्जा कर लिया गया। इस पर मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने उस कर्मचारी के लिए विपुल गोयल को काम करवाया तो वह इस नई योजनाकी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया। इसके साथ ही एक लोकसभा अधिकारी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया। इसके साथ ही एक लोकसभा अधिकारी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया। इसके साथ ही एक लोकसभा अधिकारी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया। इसके साथ ही एक लोकसभा अधिकारी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया।

ही निपटारा कर दिया गया। इसमें बल्लभारद नियामी शास्त्रादेवी के 66 गज के प्लाट पर कब्जे का मामला भी था। महिला का कहना था कि उसने पूरे पैसे देकर रजिस्ट्री व इंतकाल करवाया था, लेकिन उसके मकान पर कब्जा कर लिया गया। इस पर मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने उस कर्मचारी के लिए विपुल गोयल को काम करवाया तो वह इस नई योजनाकी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया। इसके साथ ही एक लोकसभा अधिकारी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया। इसके साथ ही एक लोकसभा अधिकारी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया। इसके साथ ही एक लोकसभा अधिकारी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया।

ही निपटारा कर दिया गया। इसमें बल्लभारद नियामी शास्त्रादेवी के 66 गज के प्लाट पर कब्जे का मामला भी था। महिला का कहना था कि उसने पूरे पैसे देकर रजिस्ट्री व इंतकाल करवाया था, लेकिन उसके मकान पर कब्जा कर लिया गया। इस पर मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने उस कर्मचारी के लिए विपुल गोयल को काम करवाया तो वह इस नई योजनाकी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया। इसके साथ ही एक लोकसभा अधिकारी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया। इसके साथ ही एक लोकसभा अधिकारी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया।

ही निपटारा कर दिया गया। इसमें बल्लभारद नियामी शास्त्रादेवी के 66 गज के प्लाट पर कब्जे का मामला भी था। महिला का कहना था कि उसने पूरे पैसे देकर रजिस्ट्री व इंतकाल करवाया था, लेकिन उसके मकान पर कब्जा कर लिया गया। इस पर मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने उस कर्मचारी के लिए विपुल गोयल को काम करवाया तो वह इस नई योजनाकी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया। इसके साथ ही एक लोकसभा अधिकारी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया। इसके साथ ही एक लोकसभा अधिकारी भाँती डा. बनवारी लाल का लिंगिंग पांग को बदल दिया।

ही निपटारा कर दिया गया। इसमें बल्लभारद नियामी शास्त्रादेवी के 66 गज के प्लाट पर कब्जे का मामला भी था। महिला का कहना था कि उसने पूरे पैसे देकर रजिस्ट्री व इंतकाल करवाया था, लेकिन उसके मकान पर कब्जा कर लिया

## संपादकीय

### गलती सुधारी गई

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बहुचर्चित बिलकिस बानो गैंगरेप मामले में गुजरात सरकार द्वारा 11 दोसरों को दी गई माफी रद्द कर दी। इन सबको एक पफवाडे के अंदर फिर से जेल जाने के लिए कहा गया है। फैसला तक माफी की आधार पर दिया गया है कि माफी का यह आदेश गुजरात सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। यह महाराष्ट्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में है क्योंकि मुकदमा गुजरात में नहीं, महाराष्ट्र में चला था। माफ इस फैसले से जो मुद्दे सामने आए हैं, उन पर गैर करने की जरूरत है। आखिर माफी के ऐसे फैसले अमृमत तकालीन राजनीतिक माहौल से जुड़े होते हैं।

**गंभीर अपराध:** अगस्त 2022 में गुजरात सरकार द्वारा दिए गए माफी के इस अदेश पर विवाद इसलिए भी गंभीर था। इसी वजह से अपराधियों को उप्र कैद की सजा दी गई। परिवेश बिलकिस स्कूल 2002 के गुजरात दंगों के दौरान गैंगरेप और मर्डर केस में विवरित थीं। इस घटना में आठ नाबालियों की हत्या की गई थी।

**राजनीतिक पहलू:** माफी के इस पूरे घटनाक्रम पर गैर करने के लिए इसके राजनीतिक पहलू प्रमुखता से उभर आते हैं। CBI ने इस मामले के जांच की थी। इसलिए 2019 में माफी की अंजी अंत में बाद उससे भी राय मांगी गई। ऐसेंसी का कहना था कि इस मामले में ढिलाई की कोई सूरत नहीं थी। अगले साल गुजरात के दाहोद जिले के SP और DM ने भी CBI के इस रुख की पुष्टि कर दी। उनका भी कहना था कि माफी नहीं दी जानी चाहिए।

**राज्य सरकार की खिंचाई:** माफी देने की शर्ति कार्यपालिका के पास है। 2022 में जब जांच एजेंसियों की अर्थात् आपत्तियों के बावजूद माफी का आदेश जारी हुआ, तब राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले थे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के इस फैसले को दी अधिकारीयों को इस पूरे घटनाक्रम पर गैरकरनीयता देता है। चूंकि यह मुकदमा महाराष्ट्र में चला, इसलिए गुजरात सरकार को इस बारे में फैसला करने का अधिकार नहीं है, यह बात खुद गुजरात सरकार के दाहोद जिले में मानी थी। इसलिए माफी का आदेश राज्य सरकार की हड्डी पहुंच तक पर आधारित है। यह सुप्रीम कोर्ट द्वारा माफी को रद्द किए जाने का एक कारण रहा।

**दिशानिर्देश की जरूरत:** माफी बेशक ज़ुडिशल सिस्टम का अभिन्न हिस्सा है। मगर यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि इसे राजनीतिक सहायिता का मामला न बना लिया जाए। जैसे ही सुप्रीम कोर्ट इस निकर्ष पर पहुंचा कि गुजरात सरकार ने माफी का आदेश निकलने का अधिकार हड्डप लिया है, इससे न्यायिक व्यवस्था के अवधारणा का खतरा भी स्पष्ट हो गया। आखिर इंसाफ को नुकसान सिफ़र मामारी रखिएगा तो नहीं होता। संदर्भ माफी भी इसके लिए उतनी ही नुकसानदेह साबित होती है।

## सरकारी अस्पताल हथीन की स्वास्थ्य सेवाएं रामभरोसे

सिटी 24 न्यूज़/रंगिन वार्ष

हथीन। हथीन के उपमंडल होस्पिटल में आपातकालीन स्थिति में मेडिकल अफसर उपलब्ध नहीं होते हैं। इसका प्रलक्ष उदाहरण मांगलवार को रात्रि आठ बजे उस समय मिला जब सड़क दुर्घटना में घायल रोड़पका निवासी निर्जन शर्मी आपातकालीन कक्ष में घायल अवस्था में पहुंचा। निर्जन मण्डकौला में हुई सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। सड़क दुर्घटना में घायल का हाल जानने के लिए घायल निर्जन के साथी गजराज भी पहुंच गए। आपातकालीन कक्ष में एक स्टाफ नर्स एवं चुर्हुर्थ श्रेणी कर्मचारी मिले। इलाज के लिए कोई मेडिकल अफसर नहीं दिया गया। सड़क दुर्घटना में घायल के लिए एक मेडिकल अफसर के ही हाथर होस्पिटल के लिए रेफ कर दिया। इस बारे में गजराज ने स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज एवं जिला उपायुक्त को लिखित रूप शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा है कि मेडिकल अफिसर आपातकालीन कक्ष से नादार रहत हैं। उन्होंने इस मामले की उच्च अधिकारियों से जांच कराने तथा आपातकालीन सीसीटीवी की पुटेज की जांच कराकर कार्यवाई की मांग की है। यह बद्दल रेफर पर उस बारे में हथीन होस्पिटल के सीनियर मेडिकल अफसर गजराज ने बताया कि आपातकालीन कक्ष में उक्ती झूँगी थी। वे होस्पिटल परिसर में खाना खा रहे थे। आपातकालीन कक्ष में मेडिकल अफसर हर समय तैनात रहते हैं।

## वेतन में बढ़ोतरी को लेकर पटवारी व कानूनगो एसोसिएशन धरना प्रदर्शन जारी

सिटी 24 न्यूज़/अनिल मोहनियां

नहीं। 1 रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष जयवीर चहल आज नहीं के पुराने तहसील कार्यालय में धरना स्थल पर पहुंचे। हरियाणा में वेतन बढ़ोतरी न होने से नाराज पटवारी व कानूनगो तीन जनवारी से साकेतिक हड़ताल पर हैं। आज धरने का आठवां दिन है। धरना स्थल पर एवं दी रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो संगठन हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष जयवीर चहल के पहुंचने से धरने पर बढ़े रहे।

प्रदेश अध्यक्ष जयवीर ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने जो वेतनमान की घोषणा की थी वह सही तरीके से लागू नहीं किए हैं। सरकार द्वारा पिछले दिनों को गई वेतनमान वृद्धि की घोषणा को सही तरीके से लागू करें। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है पटवारी-कानूनगो के बढ़ाए गए वेतनमान को 1 जनवरी 2016 से नोटिफिकेशन व 25 जनवरी 2023 से वास्तविक रूप से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि वेतन विसंतीयों को दूर करें, राजस्व पटवारी की नई भर्ती करने से तथा विभागीय परीक्षाएं समय पर करवाई जाए। जयवीर चहल ने कहा कि वे नहीं चाहते की हड़ताल की जब जैसे आम तरीके से बिलासित होती है। लेकिन जो भी दिवकर आरोपी हैं उसकी जिम्मेदार हरियाणा सरकार का लिया जाए।

## बुधवार को सूर्य निकला लेकिन ठंड से नहीं मिली राहत

सिटी 24 न्यूज़/सुनील दीक्षित

करीना। बुधवार को कुछ समय सूर्य निकले के बाद भी आमजन को ठंड से राहत नहीं मिली। शीत लहर के चलते समुद्रा उत्तर भारत पिछले पश्चिम भारत के कांडों की ठंड की चपेट में है। जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त है। सर्दी के चलते दुधारू प्रशांतों की धूध देने की क्षमता में करीब 10 प्रीसर्टी कमी हो गई है। ग्रामीण लोग पशुओं को ठंड से बचाने का प्रयास कर रहे हैं। घरों में दुबके ग्रामीण जरूरत होने पर ही ग्रामीण घरों से निकल रहे हैं। ठंड के चलते रोजर्मारी की जिदी ठंडर गई है लेकिन रवि खटवाडे भरपुर से मोर्सन ब्रेवर्ड बना हुआ है। पिछले ग्रामीण ठंड के लिए यह वरदान बना रहा है। बुधवार को करीना क्षेत्र का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेलिसियर दर्ज किया गया जैसे वेरी पूर्व भारत माना गया है। कृषि विभाग के डॉक्टर देवेंद्र कुमार ने बताया कि बुधवार को यारोपी वार्षिक ठंड के लिए वर्ष 2024 का वार्षिक ठंड की जांच नहीं आयी है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बहुचर्चित बिलकिस बानो गैंगरेप मामले में गुजरात सरकार द्वारा 11 दोसरों को दी गई माफी रद्द कर दी। इन सबको एक पफवाडे के अंदर फिर से जेल जाने के लिए कहा गया है। फैसला तक तकनीयी आधार पर दिया गया है कि माफी का यह आदेश गुजरात सरकार के अधिकार क्षेत्र में है क्योंकि मुकदमा गुजरात में नहीं, महाराष्ट्र में चला था। माफ इस फैसले से जो मुद्दे सामने आए हैं, उन पर गैर करने की जरूरत है। आखिर माफी के ऐसे फैसले अमृमत तकालीन राजनीतिक माहौल से जुड़े होते हैं।

गंभीर अपराध: अगस्त 2022 में गुजरात सरकार द्वारा दिए गए माफी के इस अदेश पर विवाद इसलिए भी गंभीर था। इसी वजह से अपराधियों को उप्र कैद की सजा दी गई। पिछले बिलकिस स्कूल 2002 के गुजरात दंगों के दौरान गैंगरेप और मर्डर केस में विवरित थीं। इस घटना में आठ नाबालियों की हत्या की गई थी।

राजनीतिक पहलू: माफी के इस पूरे घटनाक्रम पर गैर करने के लिए इसके राजनीतिक पहलू प्रमुखता से उभर आते हैं। CBI ने इस मामले के जांच की थी। इसलिए 2019 में माफी की अंजी अंत में बाद उससे भी राय मांगी गई। ऐसेंसी का कहना था कि इस मामले में ढिलाई की कोई सूरत नहीं थी। अगले साल गुजरात सरकार के दाहोद जिले में मानी थी। इसलिए माफी का आदेश जारी किया गया। आखिर इंसाफ को नुकसान सिफ़र मारी गयी थी। आखिर इसका आदेश जारी किया गया।

राज्य सरकार की खिंचाई: माफी देने की शर्ति कार्यपालिका के पास है। 2022 में जब जांच एजेंसियों की अर्थात् आपत्तियों के बावजूद माफी का आदेश जारी हुआ, तब राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले थे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को दी अधिकारीयों में सूरत नहीं देता है। इसी वजह से अपराधियों को उप्र कैद की गई है। आखिर इसका आदेश जारी किया गया।

दिशानिर्देश की जरूरत: माफी देने की शर्ति कार्यपालिका के पास है। 2022 में जब जांच एजेंसियों की अर्थात् आपत्तियों के बावजूद माफी का आदेश जारी हुआ, तब राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले थे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को दी अधिकारीयों में सूरत नहीं देता है। इसी वजह से अपराधियों को उप्र कैद की गई है। आखिर इसका आदेश जारी किया गया।

दिशानिर्देश की जरूरत: माफी देने की शर्ति कार्यपालिका के पास है। 2022 में जब जांच एजेंसियों की अर्थात् आपत्तियों के बावजूद माफी का आदेश जारी हुआ, तब राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले थे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को दी अधिकारीयों में सूरत नहीं देता है। इ







